गुजरात राज्य के स्थापना दिन-१ली मई "गुजरात गौरव दिन-२०१८" के उपलक्ष्य में राज्यस्तर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहली जी का संबोधन।
(दिनांक : १ मई, २०१८)

- आज गुजरात राज्य की स्थापना का दिन है और बहुत ही खुशी का अवसर है। आज से करीबन 58 वर्ष पूर्व बृहद् मुंबई राज्य से गुजरात प्रदेश के रूप में एक नई इकाई का निर्माण हुआ था और गुजरात प्रदेश अस्तित्व में आया था। इन 58 वर्षो की लंबी यात्रा बहुत ही सफल रही है। मेरी दृष्टि से गुजरात के लगातार आगे बढ़ने की यह यात्रा है और सही अर्थ में यह गुजरात की गौरव यात्रा है।

- गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने निर्णय लिया था की 26 जनवरी, 15 अगस्त तथा 1 मई के कार्यक्रम राज्य स्तर पर नहीं परंतु अलग-अलग जिलों में आयोजित हो। मैं समझता हूँ कि यह निर्णय बहुत ही दूरदर्शितापूर्ण था। इस निर्णय के कारण राष्ट्रीय एवं राज्य के पर्व केवल गांधीनगर या अहमदावाद तक ही सिमटकर नहीं रह गये परंतु राज्य के अलग-अलग जिलों में यह आयोजित होते है। इससे विभिन्न जिलों के लोगों को भागीदारी का अनुभव होता है। आज इस महत्वपूर्ण पर्व का आयोजन भरूच जिला में हो रहा है, यह बड़े आनंद की बात है।

- भरूच जिला माँ नर्मदा की गोद में बसा है। भरूच पौराणिक महत्ववाला पुराना शहर है जो भृगुऋषि की तपोभूमि भी है। कलेक्टर साहब ने अभी मुझे बताया कि इस जिलें में आदिवासी लोग बड़ी संख्या में रहते है। आदिवासी लोगों के विकास के लिए हमारी सरकार श्री विजयभाई रूपाणी जी के नेतृत्व में कई प्रयत्न कर रही है। राज्य सरकार द्वारा आज कई अच्छे कदम उठाये गये है। सुजलाम, सुफलाम जल योजना की शरूआत हुई है तथा Apprentinship योजना का भी प्रारंभ हुआ है। हमारे देश के नव युवक कौशल्य संपन्न बनें यह बात हमारे लिए काफी महत्व रखती है। यदि हम अपने देश को विकसित देशों की श्रेणी में लाना चाहते हैं तो यह आवश्यक है कि हम अपनी युवा शक्ति को कौशलयुक्त बनाए।
- आज के अवसर पर महात्मा गांधीजी तथा सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महानुभावों का स्मरण करना जरूरी है। गुजरात की पावन धरा पर महात्मा गांधीजी ने जन्म लिया था और उन्होंने हमें स्वतंत्रता दिलाई थी। बिखरी हुई रियासतोंवाले देश को एक करने की महत्व की भूमिका जिनकी थी वे सरदार वल्लभभाई पटेल भी गुजरात के थे। श्री कन्हैयालाल माणेकलाल मुन्शी, लाल ठाकुर जी, छोटुभाई पुराणीजी, छोटे सरदार जी श्री चंदुलाल देसाई जी - इन सब महापुरुषों का संबंध भी भरूच जिले से रहा है। यह भरूच जिले के लिए गौरव की बात है और हमें इस पर गौरव होना चाहिये। आज के अवसर पर हमें

पूज्य रविशंकर महाराज और श्री इन्दुलाल याज्ञिक का भी स्मरण करना चाहिये जिन्होंने गुजरात राज्य की स्थापना में महत्व की भूमिका निभाई थी।

- भाइयों और बहनों, गुजरात से बाहर के लोग गुजरात को विकास मॉडल के रूप में देखते हैं। दूसरें राज्यों के लोगों के मन में भी यह आकांक्षा रहती है कि वे गुजरात का अनुकरण करके विकास के पथ पर आगे बढ़े। गुजरात ने विकास के सभी क्षेत्रों में अपना एक मॉडल बनाया है। गुजरात का विकास केवल गुजरात का ही विकास नहीं है। देश के विकास में भी गुजरात की उल्लेखनीय भूमिका रही है । गुजरात सरकार जन कल्याण के कार्यक्रमों के प्रति समर्पित है।

- किसी भी राज्य या राष्ट्र के विकास में सरकार के साथ-साथ जनता की भागीदारी भी बड़ा महत्व रखती है। गुजरात में एक तरफ संवेदनशील सरकार है तो दूसरी तरफ जागृत जनता है। यह आनंद की बात है कि सरकार और जनता की यह मिली-जुली भागीदारी राज्य को विकास का मॉडल बनाने में अहम भूमिका निभाती है।

- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लोक कल्याण के कई कार्यक्रम हमें दिये है जिनको पूरा करने में गुजरात राज्य अग्रिम रहा है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छ भारत की बात कही है। गुजरात राज्य ने स्वच्छ भारत अभियान चलाया

और इसमें वह प्रथम पंक्ति में रहा। गुजरात में शिक्षा का भी खूब विस्तार हुआ है। कई बड़ी Institutions यहाँ है। शिक्षा बेहतर बने उसकी गुणवत्ता बढ़े इसके लिए पूरा तंत्र जागृत है तथा सभी अधिकारी / पदाधिकारी स्कूलों में जाकर यह सुनिश्चित करते है कि अच्छी शिक्षा दी जाये। इस प्रकार के कार्यक्रम मुझे नहीं लगता देश के अन्य राज्य में भी चलते होंगे।

- आज यहाँ पर भरूच जिले की कुछ विशिष्ट प्रतिभाओं का सन्मान हुआ है। यह सन्मान वास्तव में उनके द्वारा किये गये योगदान का सन्मान है । जैसा कि आप जानते है हम सभी लोगों पर प्रकृति, पर्यावरण, पूर्वजो और समाज का कुछ न कुछ कर्ज चढ़ा हुआ है। इस कर्ज से मुक्त होने के लिए कुछ न कुछ करना होता है। अपनी प्रतिभा और अपनी क्षमता के हिसाब से आज जिन प्रतिभाओं को यहाँ पर सन्मानित किया गया वे ऐसी प्रतिभाएं है जिन्होंने समाज जीवन के अलग-अलग क्षेत्रो में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं सार्मथ्य के हिसाब से समाज को कुछ न कुछ दिया है। आज के शुभ अवसर पर यह भी एक अच्छा काम हुआ है।
- अंत में, मैं इतना ही कहना चाहूँगा कि आज का दिन हम सभी को गुजरात को विकास के मार्ग पर और तेज गति से ले जाने के लिये सामूहिक पुरुषार्थ करने की प्रेरणा देता है। यदि हम सब चाहते है कि गुजरात भारत के सर्व श्रेष्ठ राज्यो की पंक्ति में अपना स्थान सुनिश्चित करे तो राज्य की सरकार तथा राज्य की जनता को एक

दूसरे से सहयोग करते हुये आगे बढ़ना है । आइये, गुजरात के गौरव दिन पर हम सब गुजरात के विकास के लिए अपने आप को प्रतिबद्ध करने का संकल्प लें। आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। आभार।